11.12.19 पत्रावली पेश। वादी एवं वादी अधिवक्ता अनुपस्थित।

आज नाक कर तीन बार आवाज लगाई गई कोई उपस्थित नहीं हुआ इससे यह प्रतीत होता है की वादी एवं वादी अधिवक्ता अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं है। अतः वाद अदमलाजरी अदम पैरवी इसी स्तर पर खारीज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर नाम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhupendra Kumar Yadav
Date: 2019.12.13 15:21:23 IST
Reason: SelfAttested